

SUMMARY TRIAL UNDER SECTION 263 OR 264 OF THE CRIMINAL
PROCEDURE CODE, 1898

In the court of 984/22 Magistrate श्रीमती विकसिता मरकाम,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, बड़वाह Case No. of /2022 Complaint or
report made on Name and address of the complainant म.प्र. शासन द्वारा आरक्षी
केन्द्र बड़वाह

Name, parentage, caste and address of accused

अक्षय - सुमेरुका 5/10 मल्लोड़ जालिरी जयपुर 381001 नि. जयमलपुर
P.S. बड़वाह

The offence complained of, and date of, its alleged commission

तुम्हारे विरुद्ध अभियोग है कि दिनांक 3/09/22 को स्थान
नियुक्त मल्लोड़ पर 7:30 AM बजे पुलिस
अधिकारी द्वारा चेक करने पर तुम अभियुक्त के आधिपत्य से
एक केस नं. 10/म.प्र. शासन द्वारा जप्त की गयी।
अतः तुम्हारा कृत्य धारा 34 ए आबकारी विधान के तहत दण्डनीय
अपराध होकर इस न्यायालय के संज्ञान में है।

अतः प्रकट करो कि तुम्हें अपराध स्वीकार है अथवा विचारण चाहते हो।

The plea of the accused and his examination (if any)

मुझे अपराध स्वेच्छापूर्वक स्वीकार है।

सुमेरुका

The offence proved, if any, and in case under clause (d), clause (e) clause (f)
or clause (g) or Sub-section (i) of Section 260 the value of the property in respect of
which the offence has been committed.

// निर्णय //

(भाज दिनांक 12/12/22 को मासिक)

1. आरोपी को धारा 34 ए आबकारी विधान के अपराध का सार विवचित कर पढ़कर सुनाया समझाया जाने पर आरोपी ने अपराध स्वेच्छापूर्वक स्वीकार किया।
2. आरोपी ने स्वेच्छापूर्वक अपराध की स्वीकारोक्ति के आधार पर आरोपी को धारा 34 ए आबकारी विधान के अपराध में दोषी ठहराया जाकर निम्नरोष घोषित किया जाता है। आरोपी ने प्रकट किया कि यह उसका प्रथम अपराध है। आरोपी के विलम्ब पूर्व दोषसिद्धि अनिलेख पर नहीं है। अतः यह उसका प्रथम अपराध होना प्रतीत होता है। अतः प्रकरण के तथ्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये उसे सात अर्थदण्ड अधिरोपित करना न्याय संगत प्रतीत होता है। अतः आरोपी को धारा 34 ए आबकारी अधिनियम के तहत न्यायालय चढ़ने तक की सजा एवं ₹ 500/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है जो अदा नहीं करने पर 12 दिवस का कारावास मुमताया जावे।

3. जातयुदा सम्पत्ति एक वस्तु के अन्तर्गत एक ही व्यक्ति के नाम पर की अपील अवाधि पश्चात् अन्य आदेश के अन्तर्गत में विधिवत् नष्ट किया जाये।

मेरे द्वारा निर्णय घोषित, दिनांकित
एवं हस्ताक्षरित किया गया

मेरे निर्देश पर दण्डित

(श्रीमति विकसिता नरकान)
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रधान श्रेणी,
बड़वाह (परिचय निमाड)

(श्रीमति विकसिता नरकान)
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रधान श्रेणी,
बड़वाह (परिचय निमाड)